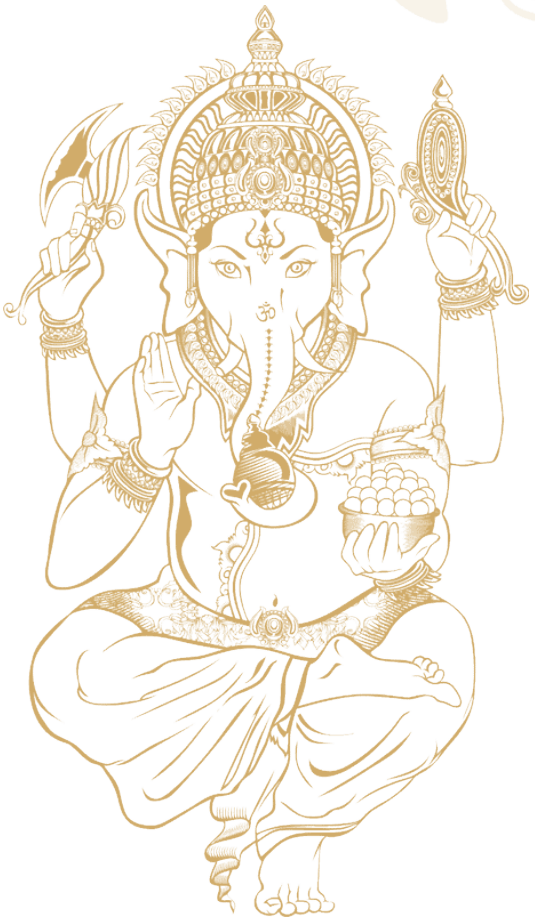

Deepika

07 Nov 1992

06:30 AM

Ludhiana

Model: web-freekundliweb

Order No: 121806103

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**6-07/11/1992**
दिन	शुक्र-शनिवार
जन्म समय	**06:30:00 घंटे**
इष्ट	59:20:08 घटी
स्थान	**Ludhiana**
राज्य	Punjab
देश	India

अक्षांश	30:56:00 उत्तर
रेखांश	75:52:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:26:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	06:03:28 घंटे
वेलान्तर	00:16:23 घंटे
साम्पातिक काल	09:09:24 घंटे
सूर्योदय	06:45:56 घंटे
सूर्यास्त	17:34:15 घंटे
दिनमान	10:48:19 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	21:06:55 तुला
लग्न के अंश	16:46:50 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**उ०भाद्रपद - 3**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	हर्षण
करण	बालव
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सिंह
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	झ-झनक
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	16:46:50	304:07:49	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	शुक्र	---
सूर्य			तुला	21:06:55	01:00:12	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	नीच राशि
चंद्र			मीन	12:10:39	12:15:11	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	मंगल	सम राशि
मंगल			कर्क	00:52:50	00:15:19	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	मंगल	नीच राशि
बुध			वृश्चि	13:21:25	00:32:29	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	सम राशि
गुरु			कन्या	11:47:25	00:11:22	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	मंगल	शत्रु राशि
शुक्र			वृश्चि	28:25:05	01:12:25	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	सम राशि
शनि			मक	18:27:58	00:02:13	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	स्वराशि
राहु	व		वृश्चि	28:20:44	00:06:29	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	शत्रु राशि
केतु	व		वृष	28:20:44	00:06:29	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	सम राशि
हर्ष			धनु	21:07:45	00:02:11	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	---
नेप			धनु	22:51:51	00:01:18	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	---
प्लूटो			तुला	28:47:13	00:02:24	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	सूर्य	---
दशम भाव			कर्क	21:07:41	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:45:41

लग्न-चलित

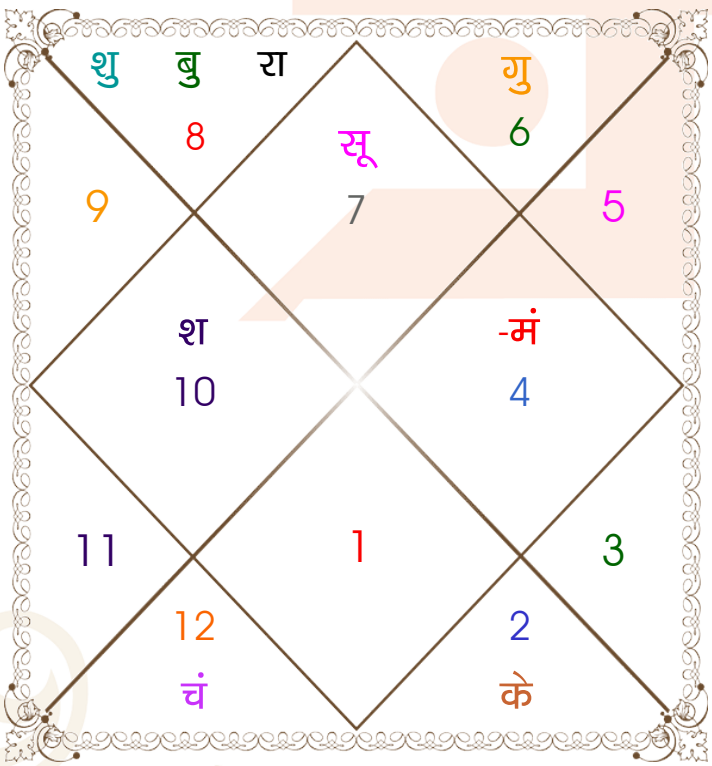

चन्द्र कुंडली

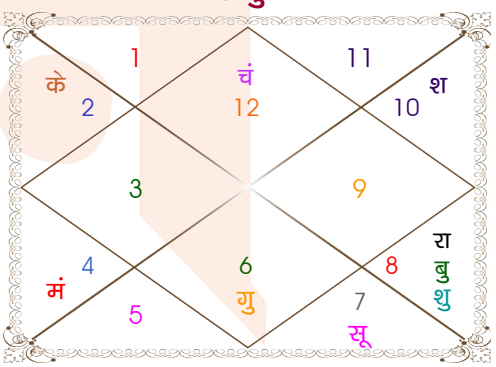

नवमांश कुंडली

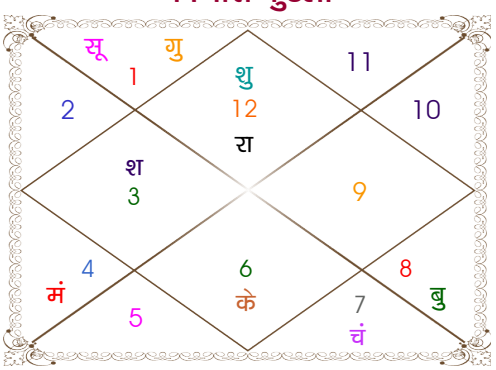

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 6 वर्ष 4 मास 23 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
07/11/1992		01/04/1999		01/04/2016		01/04/2023		01/04/2043	
01/04/1999		01/04/2016		01/04/2023		01/04/2043		01/04/2049	
	00/00/0000	बुध	28/08/2001	केतु	28/08/2016	शुक्र	01/08/2026	सूर्य	20/07/2043
	00/00/0000	केतु	25/08/2002	शुक्र	28/10/2017	सूर्य	01/08/2027	चंद्र	19/01/2044
	00/00/0000	शुक्र	25/06/2005	सूर्य	05/03/2018	चंद्र	01/04/2029	मंगल	25/05/2044
	00/00/0000	सूर्य	01/05/2006	चंद्र	04/10/2018	मंगल	01/06/2030	राहु	19/04/2045
	00/00/0000	चंद्र	01/10/2007	मंगल	02/03/2019	राहु	01/06/2033	गुरु	05/02/2046
	07/11/1992	मंगल	27/09/2008	राहु	19/03/2020	गुरु	31/01/2036	शनि	18/01/2047
मंगल	12/11/1993	राहु	17/04/2011	गुरु	23/02/2021	शनि	01/04/2039	बुध	25/11/2047
राहु	18/09/1996	गुरु	22/07/2013	शनि	04/04/2022	बुध	30/01/2042	केतु	01/04/2048
गुरु	01/04/1999	शनि	01/04/2016	बुध	01/04/2023	केतु	01/04/2043	शुक्र	01/04/2049

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
01/04/2049		01/04/2059		01/04/2066		01/04/2084		02/04/2100	
01/04/2059		01/04/2066		01/04/2084		02/04/2100		00/00/0000	
चंद्र	30/01/2050	मंगल	28/08/2059	राहु	12/12/2068	गुरु	20/05/2086	शनि	05/04/2103
मंगल	31/08/2050	राहु	15/09/2060	गुरु	08/05/2071	शनि	30/11/2088	बुध	13/12/2105
राहु	01/03/2052	गुरु	22/08/2061	शनि	14/03/2074	बुध	08/03/2091	केतु	22/01/2107
गुरु	01/07/2053	शनि	01/10/2062	बुध	30/09/2076	केतु	12/02/2092	शुक्र	24/03/2110
शनि	30/01/2055	बुध	28/09/2063	केतु	19/10/2077	शुक्र	13/10/2094	सूर्य	06/03/2111
बुध	01/07/2056	केतु	24/02/2064	शुक्र	18/10/2080	सूर्य	01/08/2095	चंद्र	04/10/2112
केतु	30/01/2057	शुक्र	25/04/2065	सूर्य	12/09/2081	चंद्र	30/11/2096	मंगल	08/11/2112
शुक्र	01/10/2058	सूर्य	31/08/2065	चंद्र	14/03/2083	मंगल	06/11/2097		00/00/0000
सूर्य	01/04/2059	चंद्र	01/04/2066	मंगल	01/04/2084	राहु	02/04/2100		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 6 वर्ष 4 मा 9 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुलालग्नोदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मीन नवमांश के साथ-साथ कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म लग्नोदयादिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप गपशप करने वाली होंगी। आपका जीवन आकर्षक परंतु आप दूसरों के साथ इर्ष्या रखने वाली होंगी।

आप अपनी आयु के 30 से 35 वें वर्ष के अंतराल में काफी धन संपति का अर्जन करेंगी तथा आपका जीवन आनंदपूर्वक व्यतीत होगा। आपका रूप आकर्षित होगा आप अपने प्रताप से बहुत धन का व्यय करेंगी तथा अपना सांसारिक जीवन किस प्रकार बिताया जाए। इस बात का अन्वेषण करेंगी। आप अपनी फिजूल खर्ची पर नियंत्रण करेंगी तो अनुकूल रहेंगी। अन्यथा आपकी वृद्धावस्था अति सुखद ही नहीं होगी अपितु वह अवस्था निरस भी हो जाएगी।

आप धार्मिक भावना की प्राणी होंगी। आप अनेक तीर्थ स्थलों का भ्रमण कर सत्यकार्यों में दान प्रदान करेंगी। यह संभाव्य है कि आपमें अनेक गुण विद्यमान होंगे तथा आप विश्वसनीयता पूर्वक व्यवहार करेंगी। आप भगवान की कृपा से उत्तम संतान की माता होंगी। वे अपना नाम एवं अपनी प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे।

आपको अपने जीवन संगी के रूप में उपयुक्त एवं आदर्श पति प्राप्ति हेतु मिथुन अथवा कुंभ राशि के जातक का चयन करना उत्तम होगा। परंतु यदि आपके पति कर्क, मकर अथवा मीन राशीय समुदाय के हुए तो वह आपकी आवश्यकता अथवा अनुरूपता के योग्य नहीं होंगे।

परंतु यदि आपके साथी आपको श्रेय नहीं प्रदान करे तो आपको हतोत्साह होने की आवश्यकता नहीं है। आप किसी भी तरह से अपने पति से विद्वेष नहीं करेंगी।

वास्तव में आप बहुतायत में अपने घरेलू वातावरण को अनुकूल करने के लिए तथा सुव्यवस्थित करने के लिए आपके पति बेशकीमती आभूषण एवं बहुमूल्य वस्त्रादि से युक्त अपने परिवार के जीवन यापन को प्रमुखता देंगे। आप अपने भवन को अपने मित्र एवं सगे संबंधियों की दृष्टि में आकर्षक बनाएंगी। इसके बिना आप अपने रहन सहन को दुष्कर अनुभव करेंगी।

तुला प्रभावित जातक सामान्यतः स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से उत्तम एवं उच्च स्तरीय आनंद से युक्त होता है। परंतु वह छुआछूत की बिमारी से वह अद्योगामी भी हो सकता है एवं आयुवृद्धि के कारण मूत्र संबंधी समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। अस्तु आपको इसके विरूद्ध सुरक्षात्मक कदम उठाने चाहिए।

आप हर दशा में धन एवं सुंदर सुखद भवन से युक्त होंगी। आप समयानुकूल अपने कार्य कलाप का संपादन करे निश्चित समय पर भोजनादि कर सकती हैं बशर्ते कि आप निम्नांकित निर्देशन का अनुपालन कर सकें।

आपके लिए अनुकूल एवं उत्तम रंग लाल, नारंगी एवं सफेद रंग है। इसके

अतिरिक्त आपको पीला एवं हरा रंगों का त्याग करना चाहिए।

आपके लिए अंको में 1, 2, 4 एवं 7 अंक अनुकूल है। इसके अतिरिक्त 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए हानिकारक है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।